दैनिक भास्कर

जयपुर, मंगलवार 10 जून, 2025 dainikbhaskar.com 20

ीफ

द करने के लिए ों 'बबल रिंग्स'

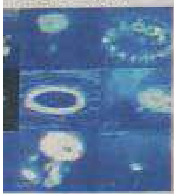

कर्ताओं ने हंपबैक व्हेल्स बबल रिंग्स बनाते देखा। संवाद या जिज्ञासा का । सेटी इंस्टीट्यूट और कैलिफोर्निया डेविस के नाओं में 11 व्हेल्स को बनाते रिकॉर्ड किया।

से बड़ा जहाज ' भारत पहुंचा

का सबसे बड़ा कंटेनर ना सोमवार सुबह केरल नल सीपोर्ट पर पहुंचा। बजे पोर्ट पर पहुंचा। यह र रहेगा। इसकी लंबाई चौड़ाई 61.3 मीटर है, बॉल मैदान से करीब

ना ने चार बच्चों सभी स्वस्थ

सिरसा जिला नागरिक हेला ने चार बच्चों को बच्चे और मां पूरी तरह उन्हें अस्पताल से छुट्टी खेड़ा निवासी सोनू ने क साल पहले शादी रजो गर्भवती हुई तो रवाई। इस दौरान उन्हें तीन बच्चे हैं, जबकि ाकर जांच करवाई तो ं, बल्कि चार बच्चे हैं।

अमेरिका • नासा और पेंटागन से महिलाओं से जुड़ी जानकारियां हटाईं

ट्रम्प ने महिलाओं की उपलब्धियों को रिकॉर्ड से मिटाना शुरू किया

TIME

दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

वॉशिंगटन | अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 20 जनवरी 2025 को दिए गए कार्यकारी आदेश के बाद से उनके प्रशासन ने महिलाओं की उपलब्धियों को सार्वजनिक रिकॉर्ड से हटाने की मुहिम शुरू कर दी है। इस आदेश में ट्रम्प ने डाइवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन कार्यक्रमों को 'अवैध और अनैतिक' बताया था। इसके बाद नासा को अपनी वेबसाइट से महिलाओं से जुड़ी हर जानकारी हटाने का आदेश दिया गया। पेंटागन ने भी महिला सैनिकों की ऐतिहासिक उपलब्धियों से जुड़ी जानकारियां ऑनलाइन से हटा दी हैं। यहां तक कि आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री की वेबसाइट से महिला वेटरन्स के पेज भी गायब कर दिए गए हैं। लेखिका अन्ना फंडर का कहना है कि इतिहास में कई पुरुषों की सफलता के पीछे महिलाओं की मेहनत होती है। ऑरवेल की मां और बहनें भी फेमिनिस्ट थीं और उन्होंने ही ऑरवेल को समाज की सच्चाई देखने की समझ दी। लेकिन जब बात उनकी उपलब्धियों की आती है, तो महिलाओं

ऑरवेलियन तरीका: इतिहास से महिलाओं को मिटाना

यह पूरी प्रक्रिया लेखक जॉर्ज ऑरवेल के उपन्यास 1984 की याद दिलाती है, जिसमें सरकार असुविधाजनक तथ्यों को 'मेमोरी होल' में डालकर मिटा देती है। उपन्यास का नायक विंस्टन स्मिथ 'मिनिस्ट्री ऑफ ट्रुथ' में काम करता है, जहां इतिहास को झूठ में बदला जाता है। ट्रम्प प्रशासन का यह कदम भी वैसा ही है।

ऑरवेल की पत्नी को भी इतिहास से गायब किया

लेखिका अन्ना फंडर ने अपनी किताब वाइफडम: मिसेज ऑरवेल इनविजिबल लाइफ में बताया है कि जॉर्ज ऑरवेल की पत्नी आइलीन ओ'शॉनेसी ने उनके जीवन और लेखन में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन उन्हें इतिहास में जगह नहीं मिली। ऑरवेल की मशहूर किताब एनिमल फार्म में भी ओ'शॉनेसी का योगदान था, लेकिन उनका नाम कहीं नहीं है। उन्होंने ही ऑरवेल को स्टालिन पर सीधी आलोचना की बजाय प्रतीकात्मक कहानी लिखने की सलाह दी थी।

महिलाओं को मिटाना पितृसत्ता की रणनीति

फंडर कहती हैं कि महिलाओं को इतिहास से मिटाना पितृसत्तात्मक व्यवस्था की एक सोची-समझी रणनीति है। इससे पुरुषों को मुख्य किरदार और महिलाओं को सहायक या अदृश्य बना दिया जाता है। ऑरवेल की पत्नी न केवल उनकी जान बचाने वाली थीं, बल्कि वे परिवार

प्रवासी वोटरों को ऑनलाइन वोटिंग की अनुमति पर मंथन

पटना | आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रवासी मतदाताओं को ऑन लाइन वोटिंग की अनुमति देने पर भारत निर्वाचन आयोग मंथन कर रहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रवासियों की भागीदारी को सशक्त बनाने की भारत निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्ध है। प्रवासी मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलट मैनेजमेंट सिस्टम और ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन जैसे तकनीकी प्लेटफॉर्म की कार्यप्रणाली को लागू किया जाएगा। वे स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित इंटरनेशनल आईडिया कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भाग लेने के लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की सक्रिय और समावेशी भागीदारी के लिए इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब, चुनाव पाठशालाओं, और इलेक्टोरल मीडिया लिटरेसी अभियानों को व्यापक रूप से लागू किया जा रहा है।

प[...]क्षा में चीटिंग न हो इ[...]लिए बंद किया एआई

बी[...] | चीन की बड़ी टेक कं[...]यों ने यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग[...]म के दौरान एआई टूल्स की कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से [...]द कर दी हैं। यह कदम इस[...]ए उठाया गया है ताकि स्ट[...]ट्स इन टूल्स का इस्तेमाल क[...] चीटिंग न कर सकें। चीन में गा[...]काओ नाम की यह परीक्षा श[...]ार से शुरू हुई है और चार दि[...] तक चलेगी। इसमें 1.33 क[...] से ज्यादा स्टूडेंट्स हिस्सा ले[...] हैं। यह परीक्षा तय करती है [...] स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी में ए[...]शन मिलेगा या नहीं।

सीईसी ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ की स्मरणीय बातचीत

चूरू। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, जो 10 से 12 जून, 2025 तक आयोजित इंटरनेशनल आईडिया स्टॉकहोम कांफ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भाग लेने के लिए स्वीडन यात्रा पर हैं, ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ एक स्मरणीय संवाद किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रवासी भारतीय एवं भारत के प्रवासी नागरिकों के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक सहभागिता को लेकर निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम जैसे प्रमुख नवाचारों की चर्चा की, जिनका उद्देश्य प्रवासी मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना है। ज्ञानेश कुमार को कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देने हेतु आमंत्रित किया गया है। भारतीय चुनावों की विशालता और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जटिलताएं विश्वभर के चुनाव प्रबंधन निकायों के लिए विशेष रुचि का विषय हैं। लगभग 50 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, जिसे इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी तथा ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

ज्ञानेश कुमार कल इंटरनेशनल IDE स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में मुख्य वक्ता

चूरू, 09 जून। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार, जो 10 से 12 जून, 2025 तक आयोजित इंटरनेशनल ढ्ढष्ठश्व स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भाग लेने के लिए स्वीडन यात्रा पर हैं, ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ एक स्मरणीय संवाद किया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रवासी भारतीय (ह्रढ्ढ) एवं भारत के प्रवासी नागरिकों (ह्रष्टढ्ढ) के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक सहभागिता को लेकर निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (ETPBMS) जैसे प्रमुख नवाचारों की चर्चा की, जिनका उद्देश्य प्रवासी मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना है।

ज्ञानेश कुमार को कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण (ऱ्द्ग4ठ्ठशह्लद्ग स्त्रस्रह्म्द्गह्यह्य) देने हेतु आमंत्रित किया गया है। भारतीय चुनावों की विशालता और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जटिलताएं विश्व भर के चुनाव प्रबंधन निकायों (श्वरूक्चह्य) के लिए विशेष रुचि का विषय हैं। लगभग 50 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, जिसे इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (International IDEA) द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी तथा ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।ष्टश्वष्ट ज्ञानेश कुमार आज International IDEA के सेक्रेटरी जनरल केविन कासस-ज़मोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया और स्विट्ज़रलैंड सहित लगभग 20 देशों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जो भारत की वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेंगी।ज्ञानेश कुमार International IDEA की एशिया-प्रशांत निदेशक सुश्री लीना रिक्किला टामंग, नामीबिया की निर्वाचन आयोग की अध्यक्ष डॉ. एल्सी टी. न्गिकेम्बुआ, और मॉरीशस के चुनाव आयुक्त अब्दूल रहमान मोहम्मद इरफान सहित अन्य वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे।स्टॉकहोम सम्मेलन विश्वभर के चुनाव आयोगों के प्रमुखों, नीति निर्माताओं और संस्थागत नेताओं को एक मंच पर लाकर चुनावी अखंडता से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर चर्चा करता है। इस वर्ष के प्रमुख विषयों में भ्रामकसूचना(Disinformation), डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम, और चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (द्ब) की भूमिका शामिल हैं।दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत, International IDEA के साथ एक दीर्घकालिक भागीदार रहा है और अपने संस्थागत नवाचारों एवं लोकतांत्रिक अनुभवों के माध्यम से वैश्विक विमर्श में सक्रिय रूप से योगदान देता आया है। भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (IIIDEM), प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्मेलनों के माध्यम से चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है।

हमारा गगन 10.06.2025

CEC ज्ञानेश कुमार कल इंटरनेशनल IDEA स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में मुख्य वक्ता

CEC ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ की स्मरणीय बातचीत

हमारा गगन

चूरू, भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार, जो 10 से 12 जून, 2025 तक आयोजित इंटरनेशनल IDEA स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भाग लेने के लिए स्वीडन यात्रा पर हैं, ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ एक स्मरणीय संवाद किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रवासी भारतीय (NRI) एवं भारत के प्रवासी नागरिकों (OCI) के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक सहभागिता को लेकर निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (ETPBMS) जैसे प्रमुख नवाचारों की चर्चा की, जिनका उद्देश्य प्रवासी मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना है। ज्ञानेश कुमार को कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण (Keynote Address) देने हेतु आमंत्रित किया गया है। भारतीय चुनावों की विशालता और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जटिलताएं विश्व भर के चुनाव प्रबंधन निकायो´ (EMBs) के लिए विशेष रुचि का विषय हैं। लगभग 50 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, जिसे इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (International IDE) द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी तथा ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। CEC श्री ज्ञानेश कुमार आज International IDEA के सेक्रेटरी जनरल श्री केविन कासस-ज़मोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया और स्विट्ज़रलैंड सहित लगभग 20 देशों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जो भारत की वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेंगी। ज्ञानेश कुमार International IDEA की एशिया-प्रशांत निदेशक सुश्री लीना रिक्किला टामंग, नामीबिया की निर्वाचन आयोग की अध्यक्ष डॉ. एल्सी टी. न्गिकेम्बुआ, और मॉरीशस के चुनाव आयुक्त अब्दूल रहमान मोहम्मद इरफान सहित अन्य वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे।

स्टॉकहोम सम्मेलन विश्वभर के चुनाव आयोगों के प्रमुखों, नीति निर्माताओं और संस्थागत नेताओं को एक मंच पर लाकर चुनावी अखंडता से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर चर्चा करता है। इस वर्ष के प्रमुख विषयों में भ्रामक सूचना (Disinformation), डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम, और चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका शामिल हैं।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत, International IDEA के साथ एक दीर्घकालिक भागीदार रहा है और अपने संस्थागत नवाचारों एवं लोकतांत्रिक अनुभवों के माध्यम से वैश्विक विमर्श में सक्रिय रूप से योगदान देता आया है। भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (III-DEM), प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्मेलनों के माध्यम से चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है।

CEC ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी इस सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें IIIDEM के महानिदेशक राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (कानून) विजय कुमार पांडेय, और प्रधान सचिव राहुल शर्मा शामिल हैं।

जयपुर टाइम्स 30.05.2025

सौ दिन में सुधार के लिए चुनाव आयोग ने की पहल

चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सुविधा को मजबूत करने के लिए कर रहा ईसीआई कवायद

जयपुर टाइम्स/नई दिल्ली। मतदाता अनुभव को बेहतर बनाने और चुनाव प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक बड़े प्रयास के तहत भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पिछले 100 दिनों में 21 नई पहलों की शुरुआत की है। ये पहलें प्रक्रियात्मक सुधारों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और हितधारकों के साथ सहभागिता तक फैली हुई हैं। यह अवधि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यभार ग्रहण करने के बाद के पहले 100 दिनों में रचनात्मक, व्यावहारिक और सक्रिय उपायों की रही है। चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मार्च 2025 में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारी सम्मेलन के दौरान ईसीआई के नए दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी।

प्रमुख सुधार

मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए, एक मतदान केंद्र पर अधिकतम मतदाताओं की संख्या 1500 से घटाकर 1200 कर दी गई है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों जैसे ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ECI का लक्ष्य है कि वोट डालने के लिए कोई भी मतदाता 2 किमी से अधिक दूरी तय न करे। मतदाता सूचना पर्चियों (Voter Information Slips) को अब और स्पष्ट बनाया गया है, जिसमें क्रम संख्या और भाग संख्या प्रमुखता से प्रदर्शित होगी। प्रत्येक मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर मोबाइल जमा सुविधा (Mobile Deposit Facility) शुरू की जाएगी। उम्मीदवारों की ओर से लगाए जाने वाले बूथ अब मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार से 100 मीटर की दूरी पर लगाए जा सकेंगे, पहले यह सीमा 200 मीटर थी।

डिजिटल और प्रौद्योगिकी सुधार

ECINET नामक एकीकृत डैशबोर्ड विकसित किया गया है, जिससे सभी सेवाएं एक ही मंच पर मिल सकेंगी। इससे 40 से अधिक ऐप्स और वेबसाइटों की आवश्यकता समाप्त होगी। कुछ मॉड्यूल वर्तमान उप-चुनावों में उपयोग के लिए उपलब्ध होंगे और बिहार विधानसभा चुनाव तक यह पूरी तरह लागू हो जाएगा। मृत्यु पंजीकरण डेटा को भारत के रजिस्ट्रार जनरल से सीधे जोड़ा गया है, जिससे मृत मतदाताओं के नाम समय पर और सत्यापित रूप से हटाए जा सकें। E-Office प्रणाली चालू कर दी गई है और मुख्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति की शुरुआत हुई है।

मतदाता सूची और प्रशिक्षण

उप-चुनाव से पहले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (Special Summary Revision) किया गया, जो कि RP अधिनियम, 1950 के तहत पहली बार हुआ है। 28 विभिन्न हितधारकों की पहचान की गई है और उनके लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए जा रहे हैं। Booth Level Officers (BLOs) और उनके पर्यवेक्षकों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। अब तक 3,500 से अधिक BLOs/BLO Supervisors को IIIDEM में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आगामी 45 दिनों में लगभग 6,000 BLOs/Supervisors को 20 बैचों में प्रशिक्षित किया जाएगा। एक लाख BLO Supervisors को आने वाले वर्षों में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। सभी BLOs को मानकीकृत फोटो पहचान पत्र दिए जाएंगे।

राजनीतिक सहभागिता

ECI ने देश भर में 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की, जिनमें 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें CEO स्तर पर 40, DEO स्तर पर 800 और ERO स्तर पर 3,879 बैठकें शामिल हैं। दिल्ली में AAP, BJP, BSP, CPI(M), NPP जैसी पार्टियों के साथ बैठकें की गईं। अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पार्टियों के साथ बैठकें उप-चुनावों के बाद होंगी। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के Booth Level Agents (BLAs) को भी IIIDEM में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी के प्रारंभिक बैचों को प्रशिक्षण मिल चुका है।

अन्य सुधार

CEO कार्यालयों के मीडिया अधिकारियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिससे सार्वजनिक संचार की गुणवत्ता में सुधार हो सके। बिहार के पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं, जिससे बहु-एजेंसी समन्वय मजबूत हो। ECI मुख्यालय और राज्यों के CEOs के बीच नियमित समीक्षा बैठकें शुरू की गई हैं, जिससे आंतरिक समन्वय और संचालन दक्षता में वृद्धि हो।

कानूनी सुधार

ECI के वकीलों और राज्यों/Ts के CEOs की राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन IIIDEM, नई दिल्ली में किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट और 28 उच्च न्यायालयों के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा देशभर के 36 CEOs शामिल हुए।

इसका उद्देश्य कानूनी ढांचे को नए चुनावी चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है।

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से शुरू की गई 21 नई पहलें (19 फरवरी 2025 - 29 मई 2025)

प्रत्येक मतदान केंद्र पर अधिकतम मतदाता सीमा को 1200 तक सीमित किया गया

ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र

मृत मतदाताओं के नाम हटाने के लिए RGI डेटा का प्रत्यक्ष एकीकरण

मतदाता सूचना पर्चियों को अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाना

मतदान केंद्रों के बाहर मोबाइल जमा सुविधा

पूरे भारत में CEO/DEO/ERO स्तर पर सर्वदलीय बैठकें - कुल 4,719 बैठकें

राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठकें

मान्यता प्राप्त दलों के BLAs के लिए IIIDEM में प्रशिक्षण

उम्मीदवारों के प्रचार बूथों की दूरी 200 मीटर से घटाकर 100 मीटर

ECINET - सभी सेवाओं के लिए एकीकृत डैशबोर्ड

हमारा गगल 30.05.2025

चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सुविधा को मजबूत करने के लिए पिछले 100 दिनों में ECI द्वारा शुरू की गई 21 पहलें

हमारा गगन

चूरू। मतदाता अनुभव को बेहतर बनाने और चुनाव प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक बड़े प्रयास के तहत भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने पिछले 100 दिनों में 21 नई पहलों की शुरुआत की है। ये पहलें प्रक्रियात्मक सुधारों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और हितधारकों के साथ सहभागिता तक फैली हुई हैं। यह अवधि मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के कार्यभार ग्रहण करने के बाद के पहले 100 दिनों में रचनात्मक, व्यावहारिक और सक्रिय उपायों की रही है। चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मार्च 2025 में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) सम्मेलन के दौरान ECI के नए दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी।

प्रमुख सुधारः

मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए, एक मतदान केंद्र पर अधिकतम मतदाताओं की संख्या 1500 से घटाकर 1200 कर दी गई है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों जैसे ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। श्वष्टद्ध का लक्ष्य है कि वोट डालने के लिए कोई भी मतदाता 2 किमी से अधिक दूरी तय न करे। मतदाता सूचना पर्चियों (Voter Information Slips) को अब और स्पष्ट बनाया गया है, जिसमें क्रम संख्या और भाग संख्या प्रमुखता से प्रदर्शित होगी। प्रत्येक मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर मोबाइल जमा सुविधा (Mobile Deposit Facility) शुरू की जाएगी। उम्मीदवारों द्वारा लगाए जाने वाले बूथ अब मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार से 100 मीटर की दूरी पर लगाए जा सकेंगे, पहले यह सीमा 200 मीटर थी।

डिजिटल और प्रौद्योगिकी सुधारः

श्वष्टद्धहृश्वञ्ज नामक एकीकृत डैशबोर्ड विकसित किया गया है, जिससे सभी सेवाएं एक ही मंच पर मिल सकेंगी। इससे 40 से अधिक ऐप्स और वेबसाइटों की आवश्यकता समाप्त होगी। कुछ मॉड्यूल वर्तमान उप-चुनावों में उपयोग के लिए उपलब्ध होंगे और बिहार विधानसभा चुनाव तक यह पूरी तरह लागू हो जाएगा।

मृत्यु पंजीकरण डेटा को भारत के रजिस्ट्रार जनरल से सीधे जोड़ा गया है, जिससे मृत मतदाताओं के नाम समय पर और सत्यापित रूप से हटाए जा सकें।

ध-हद्यद्धद्यड्ड प्रणाली चालू कर दी गई है और मुख्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति की शुरुआत हुई है।

मतदाता सूची और प्रशिक्षणः

उप-चुनाव से पहले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (Special Summary Revision) किया गया, जो कि RP अधिनियम, 1950 के तहत पहली बार हुआ है। 28 विभिन्न हितधारकों की पहचान की गई है और उनके लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए जा रहे हैं। Booth Level Officers (BLOs) और उनके पर्यवेक्षकों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। अब तक 3,500 से अधिक BLOs/BLO Supervisors को III-DEM में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आगामी 45 दिनों में लगभग 6,000 BLOs/Supervisors को 20 बैचों में प्रशिक्षित किया जाएगा। एक लाख BLO Supervisors को आने वाले वर्षों में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। सभी BLOs को मानकीकृत फोटो पहचान पत्र दिए जाएंगे।

राजनीतिक सहभागिताः

ECI ने देश भर में 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की, जिनमें 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें CEO स्तर पर 40, DEO स्तर पर 800 और श्वरह स्तर पर 3,879 बैठकें शामिल हैं। दिल्ली मेंð AAP, BJP, BSP, CPI(M), NPP जैसी पार्टियों के साथ बैठकें की गईं। अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पार्टियों के साथ बैठकें उप-चुनावों के बाद होंगी। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के Booth Level Agents (BLAs) को भी III-DEM में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी के प्रारंभिक बैचों को प्रशिक्षण मिल चुका है।

अन्य सुधारः

CEO कार्यालयों के मीडिया अधिकारियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिससे सार्वजनिक संचार की गुणवत्ता में सुधार हो सके। बिहार के पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं, जिससे बहु-एजेंसी समन्वय मजबूत हो। ECI मुख्यालय और राज्यों के CEOs के बीच नियमित समीक्षा बैठकें शुरू की गई हैं, जिससे आंतरिक समन्वय और संचालन दक्षता में वृद्धि हो।

कानूनी सुधारः

ECI के वकीलों और राज्यों/ज्ञ्ञ के CEOs की राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन IIIDEM, नई दिल्ली में किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट और 28 उच्च न्यायालयों के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा देशभर के 36 CEOs शामिल हुए। इसका उद्देश्य कानूनी ढांचे को नए चुनावी चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई 21 नई पहलें (19 फरवरी 2025 - 29 मई 2025):

1. प्रत्येक मतदान केंद्र पर अधिकतम मतदाता सीमा को 1200 तक सीमित किया गया 2. ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र 3. मृत मतदाताओं के नाम हटाने हेतु RGI डेटा का प्रत्यक्ष एकीकरण 4. मतदाता सूचना पर्चियों को अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाना 5. मतदान केंद्रों के बाहर मोबाइल जमा सुविधा 6. पूरे भारत में CEO/DEO/ERO स्तर पर सर्वदलीय बैठकें - कुल 4,719 बैठकें 7. राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठकें 8. मान्यता प्राप्त दलों के BLAs के लिए IIIDEM में प्रशिक्षण 9. उम्मीदवारों के प्रचार बूथों की दूरी 200 मीटर से घटाकर 100 मीटर 10. ECINET - सभी सेवाओं के लिए एकीकृत डैशबोर्ड 11. डुप्लीकेट EPIC नंबर समस्या का समाधान; यूनिक EPIC नंबर की व्यवस्था 12. 28 हितधारकों की पहचान 13. इन सभी हितधारकों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना और इनका प्रस्तुतिकरण 14. ECI वकीलों की राष्ट्रीय कान्फ्रेंस 15. BLOs के लिए मानकीकृत फोटो पहचान पत्र 16. IIIDEM में अब तक 3500 BLO Supervisors को प्रशिक्षित किया गया। अगले 45 दिनों में 6000 BLOs/Supervisors को प्रशिक्षण।अगले कुछ वर्षों में 1 लाख BLO Supervisors को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य 17. सभी 36 राज्यों/UTs के CEO कार्यालयों के मीडिया अधिकारियों का उन्मुखीकरण 18. बिहार के पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण 19. बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली 20. E-Office प्रणाली और 21. नियमित CEO बैठकें

दैनिक पैंतरा

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार स्टॉकहोम में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देंगे मुख्य भाषण

स्वीडन प्रवास के दौरान प्रवासी भारतीय समुदाय से की विशेष मुलाकात

पैंतरा न्यूज।

बारां, 9 जून। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार 10 से 12 जून, 2025 तक स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित इंटरनेशनल आई.डी.ई.ए. कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में श्री कुमार को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

इस बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 50 से अधिक देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसका आयोजन इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी और ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से किया जा रहा है।

सम्मेलन में भाग लेने से पूर्व श्री ज्ञानेश कुमार ने स्वीडन में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों की चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी को सशक्त करने के लिए अश्वनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम जैसे तकनीकी नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने भारतीय निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रवासी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने की बात कही।

श्री कुमार आज सम्मेलन के दौरान इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस के सेक्रेटरी जनरल श्री केविन कासस–जमोरा से मुलाकात करेंगे, साथ ही यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया, स्विट्जरलैंड आदि देशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से द्विपक्षीय वार्ताएं करेंगे। इन संवादों के माध्यम से भारत वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।सम्मेलन में डिजिटल व्यवधान, चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका, भ्रामक सूचना, चुनावी सुरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों जैसे समसामयिक विषयों पर विमर्श किया जाएगा।

भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस का दीर्घकालिक साझेदार रहा है और अपने अनुभवों तथा नवाचारों के माध्यम से वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श को समृद्ध करता रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के अधीन अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान अब वैश्विक चुनाव प्रबंधन प्रशिक्षण का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें आईआईआईडीईएम के महानिदेशक राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (कानून) विजय कुमार पांडेय एवं प्रधान सचिव राहुल शर्मा शामिल हैं।

ान से गांव

जस्थान

नियुक्तियां दी हैं। वहीं 1 लाख 84 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को वर्ष 2027 तक दिन के समय

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार स्टॉकहोम में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देंगे मुख्य भाषण

स्वीडन प्रवास के दौरान प्रवासी भारतीय समुदाय से की विशेष मुलाकात

दिशा न्यूज। बारां.

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार 10 से 12 जून, 2025 तक स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित इंटरनेशनल IDEA कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कुमार को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

इस बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 50 से अधिक देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसका आयोजन इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी और ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से किया जा रहा है।

सम्मेलन में भाग लेने से पूर्व श्री ज्ञानेश कुमार ने स्वीडन में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों की चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी को सशक्त करने के लिए ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम जैसे तकनीकी नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने भारतीय निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रवासी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने की बात कही।

कुमार सम्मेलन के दौरान इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस के सेक्रेटरी जनरल केविन कासस-ज़मोरा से मुलाकात करेंगे, साथ ही यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया, स्विट्ज़रलैंड आदि देशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से द्विपक्षीय वार्ताएं करेंगे। इन संवादों के माध्यम से भारत वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। सम्मेलन में डिजिटल व्यवधान, चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका, भ्रामक सूचना, चुनावी सुरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों जैसे समसामयिक विषयों पर विमर्श किया जाएगा।

भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस का दीर्घकालिक साझेदार रहा है और अपने अनुभवों तथा नवाचारों के माध्यम से वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श को समृद्ध करता रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के अधीन अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान अब वैश्विक चुनाव प्रबंधन प्रशिक्षण का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें आईआईआईडीईएम के महानिदेशक राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (कानून) विजय कुमार पांडेय एवं प्रधान सचिव राहुल शर्मा शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देंगे मुख्य भाषण

स्वीडन प्रवास के दौरान प्रवासी भारतीय समुदाय से की विशेष मुलाकात

बारां, 09 जून (हाड़ौती संचार)।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार 10 से 12 जून, तक स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कुमार को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 50 से अधिक देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसका आयोजन इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी और ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से किया जा रहा है। सम्मेलन में भाग लेने से पूर्व ज्ञानेश कुमार ने स्वीडन में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों की चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी को सशक्त करने के लिए ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम जैसे तकनीकी नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने भारतीय निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रवासी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने की बात कही। कुमार आज सम्मेलन के दौरान इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस के सेक्रेटरी जनरल केविन कासस-जमोरा से मुलाकात करेंगे, साथ ही यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया, स्विट्ज़रलैंड आदि देशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से द्विपक्षीय वार्ताएं करेंगे। इन संवादों के माध्यम से भारत वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। सम्मेलन में डिजिटल व्यवधान, चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका, भ्रामक सूचना, चुनावी सुरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों जैसे समसामयिक विषयों पर विमर्श किया जाएगा।

भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस का दीर्घकालिक साझेदार रहा है और अपने अनुभवों तथा नवाचारों के माध्यम से वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श को समृद्ध करता रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के अधीन अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान अब वैश्विक चुनाव प्रबंधन प्रशिक्षण का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें आईआईआईडीईएम के महानिदेशक राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (कानून) विजय कुमार पांडेय एवं प्रधान सचिव राहुल शर्मा शामिल हैं।

इंटरनेशनल स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में मुख्य वक्ता सीईसी ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ की स्मरणीय बातचीत

■ निर्भीक राजस्थान

नई दिल्ली/करौली, 09 जून। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, जो 10 से 12 जून, 2025 तक आयोजित इंटरनेशनल आईडीईए स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भाग लेने के लिए स्वीडन यात्रा पर हैं, ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ एक स्मरणीय संवाद किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रवासी भारतीय एवं भारत के प्रवासी नागरिकों के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक सहभागिता को लेकर निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम जैसे प्रमुख नवाचारों की चर्चा की, जिनका उद्देश्य प्रवासी मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना है। ज्ञानेश कुमार को कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देने हेतु आमंत्रित किया गया है। भारतीय चुनावों की विशालता और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जटिलताएं विश्व भर के चुनाव प्रबंधन निकायों के लिए विशेष रुचि का विषय हैं। लगभग 50 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, जिसे इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी तथा ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

ज्ञानेश कुमार आज सेक्रेटरी जनरल केविन कासस-ज़मोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया और स्विट्ज़रलैंड सहित लगभग 20 देशों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जो भारत की वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेंगी।

ज्ञानेश कुमार एशिया-प्रशांत निदेशक सुश्री लीना रिक्किला टामंग, नामीबिया की निर्वाचन आयोग की अध्यक्ष डॉ. एल्सी टी. न्गिकेम्बुआ, और मॉरीशस के चुनाव आयुक्त अब्दूल रहमान मोहम्मद इरफान सहित अन्य वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे।

स्टॉकहोम सम्मेलन विश्वभर के चुनाव आयोगों के प्रमुखों, नीति निर्माताओं और संस्थागत नेताओं को एक मंच पर लाकर चुनावी अखंडता से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर चर्चा करता है। इस वर्ष के प्रमुख विषयों में भ्रामक सूचना, डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम, और चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका शामिल हैं।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत, के साथ एक दीर्घकालिक भागीदार रहा है और अपने संस्थागत नवाचारों एवं लोकतांत्रिक अनुभवों के माध्यम से वैश्विक विमर्श में सक्रिय रूप से योगदान देता आया है। भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्मेलनों के माध्यम से चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी इस सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें प्प्क्म्ड के महानिदेशक राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (कानून) विजय कुमार पांडेय, और प्रधान सचिव राहुल शर्मा शामिल हैं।

CEC श्री ज्ञानेश कुमार कल इंटरनेशनल IDEA स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में मुख्य वक्ता CEC ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ की स्मरणीय बातचीत

रानीवाडा से प्रवीण राठौड की रिपोर्ट।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) श्री ज्ञानेश कुमार, जो 10 से 12 जून, 2025 तक आयोजित इंटरनेशनल ढ्ढष्ठ्र स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भाग लेने के लिए स्वीडन यात्रा पर हैं, ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ एक स्मरणीय संवाद किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रवासी भारतीय (NRI) एवं भारत के प्रवासी नागरिकों (OCI) के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक सहभागिता को लेकर निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (ETPBMS) जैसे प्रमुख नवाचारों की चर्चा की, जिनका उद्देश्य प्रवासी मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना है। श्री ज्ञानेश कुमार को कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण (Keynote Address) देने हेतु आमंत्रित किया गया है। भारतीय चुनावों की विशालता और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जटिलताएं विश्व भर के चुनाव प्रबंधन निकायों (EMBs) के लिए विशेष रुचि का विषय हैं। लगभग 50 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, जिसे इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (International IDEA) द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी तथा ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

CEC श्री ज्ञानेश कुमार आज International IDE के सेक्रेटरी जनरल श्री केविन कासस-ज़मोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया और स्विट्ज़रलैंड सहित लगभग 20 देशों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जो भारत की वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेंगी।

श्री ज्ञानेश कुमार International IDEA की एशिया-प्रशांत निदेशक सुश्री लीना रिक्किला टामंग, नामीबिया की निर्वाचन आयोग की अध्यक्ष डॉ. एल्सी टी. निकेम्बुआ, और मॉरीशस के चुनाव आयुक्त श्री अब्दूल रहमान मोहम्मद इरफान सहित अन्य वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे। स्टॉकहोम सम्मेलन विश्वभर के चुनाव आयोगों के प्रमुखों, नीति निर्माताओं और संस्थागत नेताओं को एक मंच पर लाकर चुनावी अखंडता से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर चर्चा करता है। इस वर्ष के प्रमुख विषयों में भ्रामक सूचना (Disinformation), डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम, और चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका शामिल है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत, International IDEA के साथ एक दीर्घकालिक भागीदार रहा है और अपने संस्थागत नवाचारों एवं लोकतांत्रिक अनुभवों के माध्यम से वैश्विक विमर्श में सक्रिय रूप से योगदान देता आया है। भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (IIIDEM), प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्मेलनों के माध्यम से चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। ष्टश्वष्ट श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी इस सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें IIIDEM के महानिदेशक श्री राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (कानून) श्री विजय कुमार पांडेय, और प्रधान सचिव श्री राहुल शर्मा शामिल हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार आज इंटरनेशनल IDEA स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में मुख्य वक्ता

जयपुर ■ सूत्र

सीईसी ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ की स्मरणीय बातचीत

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) श्री ज्ञानेश कुमार, जो 10 से 12 जून, 2025 तक आयोजित इंटरनेशनल IDEA स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में भाग लेने के लिए स्वीडन यात्रा पर हैं, ने स्वीडन में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ एक स्मरणीय संवाद किया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रवासी भारतीय (NRI) एवं भारत के प्रवासी नागरिकों (OCI) के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक सहभागिता को लेकर निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (ETPBMS) जैसे प्रमुख नवाचारों की चर्चा की, जिनका उद्देश्य प्रवासी मतदाताओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना है।

श्री ज्ञानेश कुमार को कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण (Keynote Address) देने हेतु आमंत्रित किया गया है। भारतीय चुनावों की विशालता और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जटिलताएं विश्व भर के चुनाव प्रबंधन निकायों (EMBs) के लिए विशेष रुचि का विषय हैं। लगभग 50 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, जिसे इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (International IDEA) द्वारा स्वीडन के विदेश मंत्रालय, स्वीडिश इलेक्शन अथॉरिटी तथा ऑस्ट्रेलियन इलेक्टोरल कमीशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

CEC श्री ज्ञानेश कुमार आज International IDEA के सेक्रेटरी जनरल श्री केविन कासस-ज़मोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया और स्विट्ज़रलैंड सहित लगभग 20 देशों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जो भारत की वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेंगी।

श्री ज्ञानेश कुमार International IDEA की एशिया-प्रशांत निदेशक सुश्री लीना रिक्किला टामंग, नामीबिया की निर्वाचन आयोग की अध्यक्ष डॉ. एल्सी टी. न्गिकेम्बुआ, और मॉरीशस के चुनाव आयुक्त श्री अब्दुल रहमान मोहम्मद इरफान सहित अन्य वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे।

स्टॉकहोम सम्मेलन विश्वभर के चुनाव आयोगों के प्रमुखों, नीति निर्माताओं और संस्थागत नेताओं को एक मंच पर लाकर चुनावी अखंडता से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर चर्चा करता है। इस वर्ष के प्रमुख विषयों में भ्रामक सूचना (Disinformation), डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम, और चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका शामिल हैं।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत, International IDEA के साथ एक दीर्घकालिक भागीदार रहा है और अपने संस्थागत नवाचारों एवं लोकतांत्रिक अनुभवों के माध्यम से वैश्विक विमर्श में सक्रिय रूप से योगदान देता आया है। भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (IIIDEM), प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्मेलनों के माध्यम से चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है।

CEC श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी इस सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें IIIDEM के महानिदेशक श्री राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (कानून) श्री विजय कुमार पांडेय, और प्रधान सचिव श्री राहुल शर्मा शामिल हैं।